श्रीमती प्रीति सूदन

आंध्र प्रदेश कैडर के 1983 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, श्रीमती प्रीति सूदन, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव के पद से जुलाई, 2020 में सेवानिवृत हुईं। उन्हें कार्य पालिका के प्राय: सभी क्षेत्रों में लगभग 37 वर्ष का व्यापक अनुभव है। अपने केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव के रूप में अपने लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल में, विशेष रूप से अंतिम छह महीनों में, उन्होंने कोविड-19 महामारी के नियन्त्रण से संबंधित कार्य नेतृत्व किया। इससे पूर्व, आप खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की सचिव थीं।

श्रीमती सूदन ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा रक्षा मंत्रालय में भी अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। राज्य प्रशासन में सेवा करते हुए, उन्होंने वित एवं योजना, आपदा प्रबंधन, पर्यटन और कृषि विभागों का कार्य संभाला। आप अर्थशास्त्र में एम.फिल एवं सामाजिक नीति और योजना में लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स से एम.एस.सी. हैं।

श्रीमती सूदन ने विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में कई उल्लेखनीय योगदान दिए हैं। देश के दो प्रमुख कार्यक्रमों अर्थात "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" और आयुष्मान भारत की शुरूआत के अलावा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, संबदध स्वास्थ्य पेशेवर आयोग पर विधायी कार्य और ई-सिगरेट पर प्रतिबंध जैसी कुछ महत्वपूर्ण पहल इनके द्वारा की गई हैं।

श्रीमती सूदन विश्व बैंक की सलाहकार भी रहीं हैं। इन्होंने तंबाकू नियंत्रण पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन के सीओपी-8 की अध्यक्षता की, मातृत्व, नवजात और बाल स्वास्थ्य के लिए साझेदारी की उपाध्यक्षता की, ग्लोबल डिजिटल हेल्थ पार्टनरशिप की अध्यक्ष रहीं और महामारी तत्परता और प्रतिक्रिया के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वतंत्र पैनल की सदस्य के रूप में कार्य किया।

श्रीमती सूदन ने संघ लोक सेवा आयोग में सदस्य के रूप में 29.11.2022 को कार्यभार ग्रहण किया।